

श्रुत आराधक भाग 5 (नमूना प्रश्नोत्तर-1)

आगम (श्री उत्तराध्ययन सूत्र-अध्ययन 29वाँ, पृष्ठ 4-8)

I. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए

- (1) इह खलु सम्मत पवेइए
(2) अणुत्तराए धम्म सद्वाए लोभे खवेइ
(3) कासइत्ता पालइत्ता अणुपालइत्ता

II. सही क्रम बताइए

(4-8)

- (A) पडिपुच्छण्या (B) उवहिपच्चवखाणे (C) धम्मसद्वा
(D) सरीरपच्चकखाणे (E) परियट्टण्या

कर्मविपाक का थोकड़ा (पृष्ठ 5-9)

III. सही विकल्प चुनिए

- (9) आत्मा के मिथ्यात्वादि शुभाशुभ परिणामों को क्या कहते हैं?
(A) द्रव्य कर्म (B) भाव कर्म (C) भव कर्म (D) इनमें से कोई नहीं
(10) आठ कर्मों की 158 उत्तर प्रकृतियाँ में नाम कर्म की कितनी प्रकृतियाँ हैं?
(A) 93 (B) 98 (C) 103 (D) 108
(11) जिससे जीव प्रकर्ष रूप से उन्माद भाव को प्राप्त करता है, उसे क्या कहते हैं?
(A) प्रमाद (B) आलस्य (C) कषाय (D) योग

IV. सही जोड़ी मिलाइये

उत्तरप्रकृतियाँ	कर्म	सही जोड़ी
(12) नपुंसक वेद	(A) आयु
(13) दुःस्वर	(B) दर्शनमोहनीय
(14) स्त्यानर्द्धि	(C) नाम
(15) भोगान्तराय	(D) गोत्र
(16) उच्च गोत्र	(E) नोकषाय मोहनीय
(17) सम्यक्‌मिथ्या मोहनीय	(F) अन्तराय
	(G) ज्ञानावरणीय	
	(H) दर्शनावरणीय	

गमक का थोकड़ा (तथ्य)

v. सही या गलत

- (18) युगलिक की जीवनपर्यन्त दृष्टि नहीं बदलती है?
- (19) अपर्याप्त अवस्था में कोई भी जीव की अंगुल के असंख्यात्में भाग से ज्यादा अवगाहना नहीं हो सकती है?
- (20) ऋषभनाराच संहनन वाला नैरयिक में चौथी पृथ्वी तक एवं देव में भवनपति से 12वें देवलोक तक ही जा सकता है?

सही उत्तरः(1)परककमे नामं अज्ञयणे समणेणं भगवया महावीरेणं कासवेणं (2) संवेणं हृष्व-मागच्छइ। अण्ठाणुबंधं कोह-माण-माया (3)तीरिता कित्तइत्ता सोहइत्ता आराहइत्ता आणाए (4)-(8) C,A,E,B,D (9) B, (10) C, (11) A, (12) E, (13) C, (14) H, (15) F, (16) D, (17) B, (18) सही (19) सही (12) गलत

सूचना:- श्रुत आराधक भाग-4 की दूसरे अवसर की परीक्षा निर्धारित केन्द्रों पर 3 नवम्बर 2019 को दोपहर 2 से 4 बजे रखी गयी है। 2 से 3 क्लोज बुक और 3:05 से 4 बजे तक ऑपन बुक परीक्षा होगी। जिनको भी यह परीक्षा देनी है, वे अपने नाम, क्षेत्र, फोन नं. की सूचना बीकानेर केन्द्रीय कार्यालय के 9269599909 पर 30 सितम्बर 2019 से पहले भिजावें।

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा	सामायिक सूत्र स्पेशल व प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की परीक्षा हेतु नियम
<p>साधुमार्गी जैन संघ प्रतिवर्ष की तरह जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा भाग-1 से 12 और 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों हेतु भाग 1 से 6 की मौखिक परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित कर रहा है। इस वर्ष पहली बार सामायिक सूत्र स्पेशल व प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की भी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, यह दोनों तरह की परीक्षाएँ 22 सितम्बर 2019 को होनी है।</p> <p>* चातुर्मास में 4 महिनों में प्रतिक्रमण सीखने वाले परीक्षार्थियों हेतु 3 नवम्बर को भी परीक्षा आयोजित की जा रही है।</p> <p>* साथ ही वर्षभर में निम्न दिनांक को सामायिक व प्रतिक्रमण की परीक्षा होगी – 22 सितम्बर 2019, 19 जनवरी 2020, 7 जून 2020 व 27 सितम्बर 2020 को प्रतिक्रमण स्पेशल सूत्र व सामायिक स्पेशल सूत्र की परीक्षा होगी।</p>	<p>सामायिक व प्रतिक्रमण की परीक्षा की उम्र सीमा नहीं है (कोई भी परीक्षा दे सकता है) और प्रतिक्रमण सूत्र स्पेशल की परीक्षा 3 चरण (तीन पेपर) में होगी।</p> <ul style="list-style-type: none">* (एक-एक चरण प्रतिवर्ष दिया जा सकता है और तीनों चरण एक साथ भी दे सकते हैं।)* यह परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। किसी भी प्रकार की सहायता हेतु 7231933008 पर सम्पर्क करें।* यह परीक्षा जरूर देवें और प्रभावना करें ताकि आपके क्षेत्र में सभी को सामायिक व प्रतिक्रमण कंठस्थ होने क्योंकि ये निज ज्ञान है जो सभी को आना ही चाहिए

श्रुत आराधक भाग 5 (नमूना प्रश्नोत्तर 2)

I. आगम- उत्तराध्ययन सूत्र 29वां अध्ययन-सुयं में आउसं से (12) काउस्सगेणं भंते की गाथा तक) I गाथाओं की शुरुआत का सही चयन किजिए।

1. अगारधम्मं च णं चयङ्, अणगागिणं जीवे सारीर-माणसाणं

(A) गुरु-साहम्मिय-सुस्सूसणयाएणं भंते!	(B) चउवीसत्थएणं भंते!
(C) निव्वेणं भंते!	(D) धम्मसद्वाएणं भंते!
2. पिहिय-वयच्छिद्दे पुण जीवे निरुद्धासवे

(A) पडिक्कमणेणं भंते!	(B) काउस्सगेणं भंते!
(C) निंदणयाएणं भंते!	(D) सामाइणं भंते!
3. दंसण-विसोहिएय णं विसुद्धाए अत्थेगइए जीवे

(A) संवेगेणं भंते!	(B) गरहणयाएणं भंते!
(C) चउवीसत्थएणं भंते!	(D) वंदणएणं भंते!
4. दंसणविसोहिं जणयङ्

(A) सामाइणं भंते!	(B) चउवीसत्थएणं भंते!
(C) आलोयणाएणं भंते!	(D) पडिक्कमणेणं भंते!

कर्मविपाक (पृष्ठ 17-प्रत्येक प्रकृति से तात्पर्य तक)

II. सही जोड़ी मिलाइए -

कर्म	प्रकृति	सही जोड़ी (A/B/C/D/E/F)
(5) शुभ	(A) पिंडप्रकृति
(6) अनादेय	(B) त्रस दशक
(7) आनुपूर्वी	(C) गोत्र
(8) उद्योत	(D) अन्तराय
	(E) स्थावर दशक	
	(F) प्रत्येक प्रकृति	

III. सही या गलत

- (9) पिंड प्रकृति के जब गति, जाति आदि 14 मूल भेद ही नामकर्म में गिने जाते हैं तो नामकर्म के 42 भेद होते हैं ?

(10) त्रस दशक प्रकृतियों के भेद-प्रभेद नहीं है ?

(11) मन की पर्यायों को जानना ज्ञान और दर्शन का विषय है ?

(12) श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र में 5 निद्राओं का क्रम इस प्रकार है-

(1) निद्रा (2) निद्रा-निद्रा (3) प्रचला (4) प्रचला-प्रचला (5) स्त्यानद्वि

गमक (तथ्य से चौथे बोले गमक 9 तक)

IV. असंगत हटाईए -

- (13) (घर संबंधित)
 (A) 9 ग्रैवेयक (B) 5 अनुत्तर विमान (C) 10 भवनपति देव (D) ज्योतिषी देव
- (14) (जीव संबंधित)
 (A) सन्नी मनुष्य (B) मनुष्य युगलिक (C) वाणव्यन्तर देव (D) सूक्ष्म एकेन्द्रिय
- (15) (आगति के स्थान-ज्योतिषी देव संबंधित)
 (A) असन्नी तिर्यज्ज्व पंचेन्द्रिय (B) सन्नी तिर्यज्ज्व पंचेन्द्रि
 (C) सन्नी मनुष्य (D) तिर्यज्ज्व युगलिक
- (16) (9वें देवलोक तक जाने वाला/उत्पन्न होने संबंधित)
 (A) ऋषभनाराच (B) अर्द्धनाराच (C) वज्रऋषभनाराच (D) नाराच

V. रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए-

घर	जीव	आगति के स्थान
17. वाणव्यन्तर	5
18.	1(सन्नी मनुष्य)	7
19. तिर्यज्ज्व पंचेन्द्रिय	39
20.	12 (औदारिक के)	60

(19) 39 (20) 60 (21) 50 (22) 55 (23) 56 (24) 57 (25) 58 (26) 59 (27) 60 (28) 61 (29) 62 (30) 63 (31) 64 (32) 65 (33) 66 (34) 67 (35) 68 (36) 69 (37) 70 (38) 71 (39) 72 (40) 73 (41) 74 (42) 75 (43) 76 (44) 77 (45) 78 (46) 79 (47) 80 (48) 81 (49) 82 (50) 83 (51) 84 (52) 85 (53) 86 (54) 87 (55) 88 (56) 89 (57) 90 (58) 91 (59) 92 (60) 93 (61) 94 (62) 95 (63) 96 (64) 97 (65) 98 (66) 99 (67) 100 (68) 101 (69) 102 (70) 103 (71) 104 (72) 105 (73) 106 (74) 107 (75) 108 (76) 109 (77) 110 (78) 111 (79) 112 (80) 113 (81) 114 (82) 115 (83) 116 (84) 117 (85) 118 (86) 119 (87) 120 (88) 121 (89) 122 (90) 123 (91) 124 (92) 125 (93) 126 (94) 127 (95) 128 (96) 129 (97) 130 (98) 131 (99) 132 (100) 133 (101) 134 (102) 135 (103) 136 (104) 137 (105) 138 (106) 139 (107) 140 (108) 141 (109) 142 (110) 143 (111) 144 (112) 145 (113) 146 (114) 147 (115) 148 (116) 149 (117) 150 (118) 151 (119) 152 (120) 153 (121) 154 (122) 155 (123) 156 (124) 157 (125) 158 (126) 159 (127) 160 (128) 161 (129) 162 (130) 163 (131) 164 (132) 165 (133) 166 (134) 167 (135) 168 (136) 169 (137) 170 (138) 171 (139) 172 (140) 173 (141) 174 (142) 175 (143) 176 (144) 177 (145) 178 (146) 179 (147) 180 (148) 181 (149) 182 (150) 183 (151) 184 (152) 185 (153) 186 (154) 187 (155) 188 (156) 189 (157) 190 (158) 191 (159) 192 (160) 193 (161) 194 (162) 195 (163) 196 (164) 197 (165) 198 (166) 199 (167) 200 (168) 201 (169) 202 (170) 203 (171) 204 (172) 205 (173) 206 (174) 207 (175) 208 (176) 209 (177) 210 (178) 211 (179) 212 (180) 213 (181) 214 (182) 215 (183) 216 (184) 217 (185) 218 (186) 219 (187) 220 (188) 221 (189) 222 (190) 223 (191) 224 (192) 225 (193) 226 (194) 227 (195) 228 (196) 229 (197) 230 (198) 231 (199) 232 (200) 233 (201) 234 (202) 235 (203) 236 (204) 237 (205) 238 (206) 239 (207) 240 (208) 241 (209) 242 (210) 243 (211) 244 (212) 245 (213) 246 (214) 247 (215) 248 (216) 249 (217) 250 (218) 251 (219) 252 (220) 253 (221) 254 (222) 255 (223) 256 (224) 257 (225) 258 (226) 259 (227) 260 (228) 261 (229) 262 (230) 263 (231) 264 (232) 265 (233) 266 (234) 267 (235) 268 (236) 269 (237) 270 (238) 271 (239) 272 (240) 273 (241) 274 (242) 275 (243) 276 (244) 277 (245) 278 (246) 279 (247) 280 (248) 281 (249) 282 (250) 283 (251) 284 (252) 285 (253) 286 (254) 287 (255) 288 (256) 289 (257) 290 (258) 291 (259) 292 (260) 293 (261) 294 (262) 295 (263) 296 (264) 297 (265) 298 (266) 299 (267) 300 (268) 301 (269) 302 (270) 303 (271) 304 (272) 305 (273) 306 (274) 307 (275) 308 (276) 309 (277) 310 (278) 311 (279) 312 (280) 313 (281) 314 (282) 315 (283) 316 (284) 317 (285) 318 (286) 319 (287) 320 (288) 321 (289) 322 (290) 323 (291) 324 (292) 325 (293) 326 (294) 327 (295) 328 (296) 329 (297) 330 (298) 331 (299) 332 (300) 333 (301) 334 (302) 335 (303) 336 (304) 337 (305) 338 (306) 339 (307) 340 (308) 341 (309) 342 (310) 343 (311) 344 (312) 345 (313) 346 (314) 347 (315) 348 (316) 349 (317) 350 (318) 351 (319) 352 (320) 353 (321) 354 (322) 355 (323) 356 (324) 357 (325) 358 (326) 359 (327) 360 (328) 361 (329) 362 (330) 363 (331) 364 (332) 365 (333) 366 (334) 367 (335) 368 (336) 369 (337) 370 (338) 371 (339) 372 (340) 373 (341) 374 (342) 375 (343) 376 (344) 377 (345) 378 (346) 379 (347) 380 (348) 381 (349) 382 (350) 383 (351) 384 (352) 385 (353) 386 (354) 387 (355) 388 (356) 389 (357) 390 (358) 391 (359) 392 (360) 393 (361) 394 (362) 395 (363) 396 (364) 397 (365) 398 (366) 399 (367) 400 (368) 401 (369) 402 (370) 403 (371) 404 (372) 405 (373) 406 (374) 407 (375) 408 (376) 409 (377) 410 (378) 411 (379) 412 (380) 413 (381) 414 (382) 415 (383) 416 (384) 417 (385) 418 (386) 419 (387) 420 (388) 421 (389) 422 (390) 423 (391) 424 (392) 425 (393) 426 (394) 427 (395) 428 (396) 429 (397) 430 (398) 431 (399) 432 (400) 433 (401) 434 (402) 435 (403) 436 (404) 437 (405) 438 (406) 439 (407) 440 (408) 441 (409) 442 (410) 443 (411) 444 (412) 445 (413) 446 (414) 447 (415) 448 (416) 449 (417) 450 (418) 451 (419) 452 (420) 453 (421) 454 (422) 455 (423) 456 (424) 457 (425) 458 (426) 459 (427) 460 (428) 461 (429) 462 (430) 463 (431) 464 (432) 465 (433) 466 (434) 467 (435) 468 (436) 469 (437) 470 (438) 471 (439) 472 (440) 473 (441) 474 (442) 475 (443) 476 (444) 477 (445) 478 (446) 479 (447) 480 (448) 481 (449) 482 (450) 483 (451) 484 (452) 485 (453) 486 (454) 487 (455) 488 (456) 489 (457) 490 (458) 491 (459) 492 (460) 493 (461) 494 (462) 495 (463) 496 (464) 497 (465) 498 (466) 499 (467) 500 (468) 501 (469) 502 (470) 503 (471) 504 (472) 505 (473) 506 (474) 507 (475) 508 (476) 509 (477) 510 (478) 511 (479) 512 (480) 513 (481) 514 (482) 515 (483) 516 (484) 517 (485) 518 (486) 519 (487) 520 (488) 521 (489) 522 (490) 523 (491) 524 (492) 525 (493) 526 (494) 527 (495) 528 (496) 529 (497) 530 (498) 531 (499) 532 (500) 533 (501) 534 (502) 535 (503) 536 (504) 537 (505) 538 (506) 539 (507) 540 (508) 541 (509) 542 (510) 543 (511) 544 (512) 545 (513) 546 (514) 547 (515) 548 (516) 549 (517) 550 (518) 551 (519) 552 (520) 553 (521) 554 (522) 555 (523) 556 (524) 557 (525) 558 (526) 559 (527) 560 (528) 561 (529) 562 (530) 563 (531) 564 (532) 565 (533) 566 (534) 567 (535) 568 (536) 569 (537) 570 (538) 571 (539) 572 (540) 573 (541) 574 (542) 575 (543) 576 (544) 577 (545) 578 (546) 579 (547) 580 (548) 581 (549) 582 (550) 583 (551) 584 (552) 585 (553) 586 (554) 587 (555) 588 (556) 589 (557) 590 (558) 591 (559) 592 (560) 593 (561) 594 (562) 595 (563) 596 (564) 597 (565) 598 (566) 599 (567) 600 (568) 601 (569) 602 (570) 603 (571) 604 (572) 605 (573) 606 (574) 607 (575) 608 (576) 609 (577) 610 (578) 611 (579) 612 (580) 613 (581) 614 (582) 615 (583) 616 (584) 617 (585) 618 (586) 619 (587) 620 (588) 621 (589) 622 (590) 623 (591) 624 (592) 625 (593) 626 (594) 627 (595) 628 (596) 629 (597) 630 (598) 631 (599) 632 (600) 633 (601) 634 (602) 635 (603) 636 (604) 637 (605) 638 (606) 639 (607) 640 (608) 641 (609) 642 (610) 643 (611) 644 (612) 645 (613) 646 (614) 647 (615) 648 (616) 649 (617) 650 (618) 651 (619) 652 (620) 653 (621) 654 (622) 655 (623) 656 (624) 657 (625) 658 (626) 659 (627) 660 (628) 661 (629) 662 (630) 663 (631) 664 (632) 665 (633) 666 (634) 667 (635) 668 (636) 669 (637) 670 (638) 671 (639) 672 (640) 673 (641) 674 (642) 675 (643) 676 (644) 677 (645) 678 (646) 679 (647) 680 (648) 681 (649) 682 (650) 683 (651) 684 (652) 685 (653) 686 (654) 687 (655) 688 (656) 689 (657) 690 (658) 691 (659) 692 (660) 693 (661) 694 (662) 695 (663) 696 (664) 697 (665) 698 (666) 699 (667) 700 (668) 701 (669) 702 (670) 703 (671) 704 (672) 705 (673) 706 (674) 707 (675) 708 (676) 709 (677) 710 (678) 711 (679) 712 (680) 713 (681) 714 (682) 715 (683) 716 (684) 717 (685) 718 (686) 719 (687) 720 (688) 721 (689) 722 (690) 723 (691) 724 (692) 725 (693) 726 (694) 727 (695) 728 (696) 729 (697) 730 (698) 731 (699) 732 (700) 733 (701) 734 (702) 735 (703) 736 (704) 737 (705) 738 (706) 739 (707) 740 (708) 741 (709) 742 (710) 743 (711) 744 (712) 745 (713) 746 (714) 747 (715) 748 (716) 749 (717) 750 (718) 751 (719) 752 (720) 753 (721) 754 (722) 755 (723) 756 (724) 757 (725) 758 (726) 759 (727) 760 (728) 761 (729) 762 (730) 763 (731) 764 (732) 765 (733) 766 (734) 767 (735) 768 (736) 769 (737) 770 (738) 771 (739) 772 (740) 773 (741) 774 (742) 775 (743) 776 (744) 777 (745) 778 (746) 779 (747) 780 (748) 781 (749) 782 (750) 783 (751) 784 (752) 785 (753) 786 (754) 787 (755) 788 (756) 789 (757) 790 (758) 791 (759) 792 (760) 793 (761) 794 (762) 795 (763) 796 (764) 797 (765) 798 (766) 799 (767) 800 (768) 801 (769) 802 (770) 803 (771) 804 (772) 805 (773) 806 (774) 807 (775) 808 (776) 809 (777) 810 (778) 811 (779) 812 (780) 813 (781) 814 (782) 815 (783) 816 (784) 817 (785) 818 (786) 819 (787) 820 (788) 821 (789) 822 (790) 823 (791) 824 (792) 825 (793) 826 (794) 827 (795) 828 (796) 829 (797) 830 (798) 831 (799) 832 (800) 833 (801) 834 (802) 835 (803) 836 (804) 837 (805) 838 (806) 839 (807) 840 (808) 841 (809) 842 (810) 843 (811) 844 (812) 845 (813) 846 (814) 847 (815) 848 (816) 849 (817) 850 (818) 851 (819) 852 (820) 853 (821) 854 (822) 855 (823) 856 (824) 857 (825) 858 (826) 859 (827) 860 (828) 861 (829) 862 (830) 863 (831) 864 (832) 865 (833) 866 (834) 867 (835) 868 (836) 869 (837) 870 (838) 871 (839) 872 (840) 873 (841) 874 (842) 875 (843) 876 (844) 877 (845) 878 (846) 879 (847) 880 (848) 881 (849) 882 (850) 883 (851) 884 (852) 885 (853) 886 (854) 887 (855) 888 (856) 889 (857) 890 (858) 891 (859) 892 (860) 893 (861) 894 (862) 895 (863) 896 (864) 897 (865) 898 (866) 899 (867) 900 (868) 901 (869) 902 (870) 903 (871) 904 (872) 905 (873) 906 (874) 907 (875) 908 (876) 909 (877) 910 (878) 911 (879) 912 (880) 913 (881) 914 (882) 915 (883) 916 (884) 917 (885) 918 (886) 919 (887) 920 (888) 921 (889) 922 (890) 923 (891) 924 (892) 925 (893) 926 (894) 927 (895) 928 (896) 929 (897) 930 (898) 931 (899) 932 (900) 933 (901) 934 (902) 935 (903) 936 (904) 937 (905) 938 (906) 939 (907) 940 (908) 941 (909) 942 (910) 943 (911) 944 (912) 945 (913) 946 (914) 947 (915) 948 (916) 949 (917) 950 (918) 951 (919) 952 (920) 953 (921) 954 (922) 955 (923) 956 (924) 957 (925) 958 (926) 959 (927) 960 (928) 961 (929) 962 (930) 963 (931) 964 (932) 965 (933) 966 (934) 967 (935) 968 (936) 969 (937) 970 (938) 971 (939) 972 (940) 973 (941) 974 (942) 975 (943) 976 (944) 977 (945) 978 (946) 979 (947) 980 (948) 981 (949) 982 (950) 983 (951) 984 (952) 985 (953) 986 (954) 987 (955) 988 (956) 989 (957) 990 (958) 991 (959) 992 (960) 993 (961) 994 (962) 995 (963) 996 (964) 997 (965) 998 (966) 999 (967) 1000 (968) 1001 (969) 1002 (970) 1003 (971) 1004 (972) 1005 (973) 1006 (974) 1007 (975) 1008 (976) 1009 (977) 1010 (978) 1011 (979) 1012 (980) 1013 (981) 1014 (982) 1015 (983) 1016 (984) 1017 (985) 1018 (986) 1019 (987) 1020 (988) 1021 (989) 1022 (990) 1023 (991) 1024 (992) 1025 (993) 1026 (994) 1027 (995) 1028 (996) 1029 (997) 1030 (998) 1031 (999) 1032 (1000) 1033 (1001) 1034 (1002) 1035 (1003) 1036 (1004) 1037 (1005) 1038 (1006) 1039 (1007) 1040 (1008) 1041 (1009) 1042 (1010) 1043 (1011) 1044 (1012) 1045 (1013) 1046 (1014) 1047 (1015) 1048 (1016) 1049 (1017) 1050 (1018) 1051 (1019) 1052 (1020) 1053 (1021) 1054 (1022) 1055 (1023) 1056 (1024) 1057 (1025) 1058 (1026) 1059 (1027) 1060 (1028) 1061 (1029) 1062 (1030) 1063 (1031) 1064 (1032) 1065 (1033) 1066 (1034) 1067 (1035) 1068 (1036) 1069 (1037) 1070 (1038) 1071 (1039) 1072 (1040) 1073 (1041) 1074 (1042) 1075 (1043) 1076 (1044) 1077 (1045) 1078 (1046) 1079 (1047) 1080 (1048) 1081 (1049) 1082 (1050) 1083 (1051) 1084 (1052) 1085 (1053) 1086 (1054) 1087 (1055) 1088 (1056) 1089 (1057) 1090 (1058) 1091 (1059) 1092 (1060) 1093 (1061) 1094 (1062) 1095 (1063) 1096 (1064) 1097 (1065) 1098 (1066) 1099 (1067) 1100 (1068) 1101 (1069) 1102 (1070) 1103 (1071) 1104 (1072) 1105 (1073) 1106 (1074) 1107 (1075) 1108 (1076) 1109 (1077) 1110 (1078) 1111 (1079) 1112 (1080) 1113 (1081) 1114 (1082) 1115 (1083) 1116 (1084) 1117 (1085) 1118 (1086) 1119 (1087) 1120 (1088) 1121 (1089) 1122 (1090) 1123 (1091) 1124 (1092) 1125 (1093) 1126 (1094) 1127 (1095) 1128 (1096) 1129 (1097) 1130 (1098) 1131 (1099) 1132 (1100) 1133 (1101) 1134 (1102) 1135 (1103) 1136 (1104) 1137 (1105) 1138 (1106) 1139 (1107) 1140 (1108) 1141 (1109) 1142 (1110) 1143 (1111) 1144 (1112) 1145 (1113) 1146 (1114) 1147 (1115) 1148 (1116) 1149 (1117) 1150 (1118) 1151 (1119) 1152 (1120) 1153 (1121) 1154 (1122) 1155 (1123) 1156 (1124) 1157 (1125) 1158 (1126) 1159 (1127) 1160 (1128) 1161 (1129) 1162 (1130) 1163 (1131) 1164 (1132) 1165 (1133) 1166 (1134) 1167 (

श्रुत आराधक भाग 5-नमूना प्रश्नोत्तर (3)

आगम (13) पच्चक्खाणेण भंते से (23) धम्म-कहाए ण भंते तक

I. सही जोड़ी मिलाईए

गाथा	संबंध	सही जोड़ी (A/B/C/D/E/F)
1. सख्त-दव्वेसु विणीय-तण्हे सीझभूए	(A)	सज्जाएण भंते।
2. मगं च मगफलं च विसोहेड	(B)	धम्म-कहाए ण भंते!
3. आउय-वज्जाओ सत्तकम्म-पगडीओ	(C)	पच्चक्खाणेण भंते!
4. आगमेसस्स-भद्रताए कम्मं निंबंधइ	(D)	अणुप्पेहाए ण भंते!
5. तिथ्यधं अवलंबमाणे महानिजरे	(E)	पायच्छित्तकरणेण भंते!
	(F)	वायणाए ण भंते!

कर्म विपाक {पिंड प्रकृतियों की परिभाषा-गति नामकर्म से संरक्षण नामकर्म तक}

II. मुळे पहचानिए।

III. असंगत हटाईए :-

गमक का थोकड़ा (पाँचवे बोले भव स्थान 16)

- IV. नीचे दिए हुए भव स्थानों में से अगर कोई भव स्थान गलत हो तो उसे रेखांकित करे और कोष्ठक में गलत लिखें। भव स्थान सही हो तो कोष्ठक में सही लिखें।
13. भव स्थान छठा- वैक्रिय के 5 घरों (नौवें देवलोक से नव ग्रैवेयक) में संज्ञी मनुष्य जाता है।
1. जघन्य पृथकत्व वर्ष, उत्कृष्ट करोड़ पूर्व स्थिति वाला जाता है।
 2. अपने-अपने स्थान अनुसार स्थिति पाता है।
 3. जघन्य 3 भव, उत्कृष्ट 7 भव करता है।
14. भव स्थान तेरहवां-तेउकाय, वायुकाय - इन 2 घरों में संज्ञी मनुष्य, असंज्ञी मनुष्य, जाते हैं।
1. जघन्य अन्तर्मुहूर्त, उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त स्थिति वाला जाता है।
 2. अपने-अपने स्थान अनुसार स्थिति पाते हैं।
 3. 2 भव करते हैं।
15. वैक्रिय के घर (सर्वार्थसिद्ध विमान) में संज्ञी मनुष्य जाता है।
1. जघन्य पृथकत्व वर्ष, उत्कृष्ट 84 लाख पूर्व स्थिति वाला जाता है।
 2. अजघन्य अनुत्कृष्ट 33 सागरोपम स्थिति पाता है।
 3. जघन्य 3 भव करता है, उत्कृष्ट 5 भव करता है।
- V. मैं कौन सा भव स्थान हूँ ? (पहला, दूसरा, तीसरा,... सोलहवां आदि)
16. वैक्रिय के 26 घरों में संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाता है।
17. मनुष्य के एक घर में 43 जीव जाते हैं।
18. पृथकी, पानी, वनस्पति, इन तीन घरों में 14 प्रकार के देवता जाते हैं।
19. वैक्रिय के 1 घर (7वीं पृथकी के नैरयिक) में संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाता है।
20. 5 स्थावर के 5 घरों में संज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय, असंज्ञी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय जाते हैं।

(16) द्वात्री (17) त्रितीय (18) चतुर्थी (19) पाँचवी (20) षट्वी

(15) द्वात्री द्वात्री द्वात्री, द्वात्री द्वात्री द्वात्री द्वात्री द्वात्री है। (पाँचवी)

(13) द्वात्री (14) द्वात्री द्वात्री, द्वात्री द्वात्री द्वात्री है। (पाँचवी)

(7) द्वात्री (8) D (9) A (10) A (11) B (12) D

(1) C (2) E (3) D (4) B (5) F (6) C

- : द्वात्री

सूचना

आप द्वारा भेजे गए आलेख, संस्मरण, कविता, भजन आदि के प्रकाशन का सम्पूर्ण अधिकारी सम्पादक के अधीन है। अतः इस सम्बन्ध में केन्द्रीय कार्यालय से जानकारी मांगने का काकाष्ठ नहीं करें।

- संपादक

शुत आराधक भाग 5- नमूना प्रश्नोत्तर (4)

आगम [(24) सुयस्स आराहण याए से (40) भृत-पच्चक खाणेण की गाथा तक]

I. नीचे दिए हुए गाथाओं में से अगर कोई पद गलत हो तो उसे रेखांकित (Underline) करें और कोष्ठक (Bracket) में “ गलत ” लिखें। गाथा सही हो तो कोष्ठक में “ सही ” लिखें।

1. तवेर्णं अणण्हय जन्तं जन्य इ ।
2. सहाय-पच्चक खाणेण एगीभावं जन्य इ । एगीभावेमाणे अप्पसहेअप्पकलहे
3. आहार-पच्चक खाणेण जीविया संसं-प्पओगं वांच्छं दइ ।
4. संभोग-पच्चक खाणेण आलंबणाइंजण्य इ । आलंबणस्स य आययट्टिया ।
5. जोग-पच्चक खाणेण अजोग जन्तं जन्य इ । अजोगीणं जीवेसम-सुहदुक्खे भव इ ।

कर्म विपाक (वर्ण नाम कर्म से अंतराय कर्म तक)

II. सहीविकल्प चुनिए।

6. लाल वर्ण नाम कर्म में “ लाल ” का पर्यायवाची शब्द क्या हैं ?
(A) ललित (B) लोहित (C) लोलित (D) इनमें से कोई नहीं ।
7. अम्ल रस नाम कर्म में “ अम्ल ” का पर्यायवाची शब्द क्या हैं ?
(A) खट्टा (B) कड़वा (C) तीखा (D) इनमें से कोई नहीं ।
8. ऐसे जीव जिन्हें चक्षु द्वारा देखें नहीं जा सकते एवं शस्त्र द्वारा जिनका घात भी नहीं हो सकता तथा किसी भी कार से वे दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते हैं ?
(A) बादरजीव (B) अपर्याप्तजीव (C) सूक्ष्म जीव (D) इनमें से कोई नहीं ।
9. अपर्याप्त नाम कर्म के उदय वाले जीव क्या हैं ?
(A) लब्धि पर्याप्त (B) करणपर्याप्त (C) करणअपर्याप्त (D) इनमें से कोई नहीं ।

III. यह वाक्य किस नाम कर्म से संबंध रखता हैं ?

10. आकाश + हलन-चलन आदि क्रिया ।
(A) संस्थान नाम कर्म (B) आनुपूर्वी नाम कर्म (C) विहायोगति नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं ।
11. सूर्य विमान में रहे हुए खर पृथ्वी कायिक जीवों को ही मेरा उदय होता हैं, शेष किसी से नहीं ?
(A) उद्योत नाम कर्म (B) आतप नाम कर्म (C) निर्माण नाम कर्म (D) उपघात नाम कर्म
12. शरीर में विजातीय तत्वों का होना ?
(A) पराधात नाम कर्म (B) अगुरु लघु नाम कर्म (C) उद्योत नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं ।
13. चन्द्र-विमान में रहे हुए पृथ्वी कायिक जीव, जुगनु
(A) आतप नाम कर्म (B) पराधात नाम कर्म (C) उद्योत नाम कर्म (D) इनमें से कोई नहीं ।

छड़े बोलेकुलगमक 2805

IV. सही या गलत ।

14. मनुष्य के घर में सर्वार्थ सिद्ध के देव 3 गमक (1,4,7) से जाते हैं ?
15. ज्योतिषी, प्रथम और द्वितीय देवलोक के घरों में दो प्रकार के युगलिक 7 गमक (5,6 गमक छोड़कर) से जाते हैं ?

16. 5 स्थावर के 5 घरों में संज्ञी मनुष्य कुल 27 गमक से जाते हैं ?

V. सही संख्या का चयन किजिए ।

17. 2 भव की अपेक्षा कुल गमक ?

(A) 724 (B) 774 (C) 1646 (D) 1998

18. जघन्य 2 भव, उत्कृष्ट अनन्त भव के कुल गमक?

(A) 0 (B) 1 (C) 2 (D) 4

19. जघन्य भव, उत्कृष्ट भव के कुल गमक 96

(A) 2, संख्यात (B) 3, संख्यात (C) 3, असंख्यात (D) 2, असंख्यात

20. जघन्य भव, उत्कृष्ट भव के कुल गमक 158

(A) 2, संख्यात (B) 3, असंख्यात (C) 2, अनंत (D) इनमें से कोई नहीं

1. अनुसंधान (उत्तर) 2. विविधता (उत्तर) 3. कृषि 4. विभागीकरण (उत्तर)
5. हाथ-खेड़ीकरण (उत्तर) 6. B7.A8.C9.D10.C11.B12.D13.C14.ज्ञाना 15. कृषि
16. ज्ञाना 17. ब 18. D 19. D 20. D

साधुमार्गी जनगणना

SABSJS द्वारा आयोजित साधुमार्गी जनगणना कार्यक्रम लगभग सम्पूर्णता की ओर है। क्या आपके संघ / गाँव / परिवार का उपरोक्त कार्यक्रम के तहत पंजीकरण हो गया है? यदि नहीं तो आज ही अपने संघ / परिवार की जनगणना करवायें।

कृपया अपने संघ/परिवार के पंजीकरण एवम् फोटो अपडेट करने हेतु शीघ्र सम्पर्क करें:-

प्रिंस जैन (जनगणना अधिकारी)

मो.— 8962931522

साधूमार्गी जनगणना टीम

मो.- 9789999001

शुत आराधक भाग 5- नमूना प्रश्नोत्तर (5)

आगम (41) [सब्भाव-पच्चक्खाणेण से (59) नाणसंपत्रयाए तक]

I. गाथाओं की शुरूआत का सही चयन किजिए-

1. विउल-तव-समिद्-समन्नागए यानि भवई

(A) पडिरुवयाए एं भंते। (B) सब्भाव-पच्चक्खाणेण भंते।

(C) वीयरागयाए एं भंते। (D) इनमेंसे कोई नहीं।

2. काउज्जुययं भावुज्जुययं भासुज्जुययं

(A) मद्वयाए एं भंते। (B) मुत्तीए एं भंते।

(C) करणसच्चेण भंते। (D) इनमें से कोई नहीं।

3. चरित-पञ्चवे विसोहेता अक्खाय-चरित्तं विसोहेइ

(A) वयसमाहारणयाए एं भंते। (B) नाणसंपत्रयाए एं भंते।

(C) जोगसच्चेण भंते। (D) कायसमाहारणयाए एं भंते।

4. एगग्गं जणइत्ता नाण-पञ्चवे जणयइ।

(A) वयगुत्तयाए एं भंते। (B) मणसमाहारणयाए एं भंते।

(C) भावसच्चेण भंते। (D) खंतीए एं भंते।

साधना-विवेक

II. सही या गलत ।

5. श्रावकों के लिए “धम्मकोविया” विशेषण शास्त्र में वर्णित हैं ?

6. सूर्याभद्रेव का जीव पूर्वभव में केशी श्रमण था ?

7. भगवती सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र में चैत्य का अर्थ “बगीचा” बताया है ?

8. मूर्तिपूजकों के मान्य महानिशीथ में कुशीलक नामक तीसरें अध्ययन में लिखा है कि द्रव्यस्त्व जिनपूजा आरम्भिक है ?

9. जिन-प्रतिमा की पूजा के समय द्वौपदी श्राविका थी ?

10. जिन शब्द के कुल दो अर्थ बताए हैं - तीर्थकर, सामान्य केवली

गमक-सातवें बोल नाणता 1998

III. सही विकल्प चुनिए

11. लब्धि के बीस द्वारों में से किन द्वारों में नाणता नहीं पड़ता है ?

(A) समुद्रघात (B) कषाय

(C) दृष्टि (D) लेश्या

12. वैक्रिय के 27 घरों में सत्री तिर्यच पंचेन्द्रिय जाते हैं [किसी भी गमक से] तो किस लब्धि का नाणता पड़ता है ?

(A) योग (B) उपयोग

(C) संहनन (D) ज्ञान-अज्ञान

13. ज्योतिषी देवलोक में जाने वाले तिर्यच युगलिक की जघन्य व उत्कृष्ट अवगाहना क्रमशः कितनी होती है ?

(A) पृथक्त्व धनुष, 1000 योजन झाझेरी

(B) पृथक्त्व हाथ, 1800 योजन झाझेरी

(C) पृथक्त्व धनुष, 1800 धनुष झाझेरी

(D) पृथक्त्व हाथ, 1000 योजन झाझेरी

14. पृथ्वीकाय के घर में वनस्पतिकाय के जीव उत्कृष्ट गमक से जाते हैं तो कितने बोलों का नाणता पड़ता है ?

- (A) 1 (B) 2
(C) 3 (D) 4

15. अप्काय के घर में सन्नी तिर्यच, सन्नी मनुष्य जाते हैं तो कुल कितने बोलों का नाणता पड़ता है ?

- (A) 18 (B) 21
(C) 23 (D) 27

IV. इनमें से सही संख्या/ विकल्प का चयन किजिए

900 धनुष झाझेरी, 800 धनुष झाझेरी, अंगुल का संख्यात्वां भाग, जघन्य पृथक्त्व धनुष-उत्कृष्ट 3 गाऊ, जघन्य पृथक्त्व धनुष-उत्कृष्ट 2 गाऊ, अंगुल का असंख्यात्वां भाग, 800 योजन, शुभ, अशुभ, 2 पल्योपम, 3 पल्योपम, 1 पल्योपम, 206, 256, 218, 2 सागरोपम, 1 सागरोपम झाझेरी

16. पहला देवलोक में तिर्यच युगलिक जघन्य गमक से जाते हैं तो अवगाहना का नाणता
17. ज्योतिषी में युगलिक मनुष्य जावे तो जघन्य गमक का नाणता
18. पृथ्वीकाय के घर में असन्नी तिर्यच पचेन्द्रिय जघन्य गमक से जाते हैं तो अध्यवसाय का नाणता.....
19. वनस्पतिकाय के घर में वाणव्यन्तर देवता उत्कृष्ट गमक से जाते हैं तो अनुबंध का नाणता.....
20. मनुष्य के घर में उत्पन्न होने वाले जीवों में कुल नाणता

B (15) C (16) D (17) 2 लक्ष-प्रति लक्ष लक्ष 1 लक्ष 006 (18) 1 लक्ष 2 लक्ष-प्रति लक्ष 206 (19) 1 लक्ष-प्रति लक्ष 10 (20) 1 लक्ष-प्रति लक्ष 11 (21) B (12) D (13) C (14)
उत्तर :-

हमारे संघ के केन्द्रीय कार्यालय के मुख्यकार्यकारी अधिकारी श्रीमती बिंदीया जी तातेड़ ने अपना पद त्याग दिया है
इसलिए निम्न व्यक्ति निम्न विभागों का कार्यभार संभाल रहे हैं

1. ललित जी बोथरा - अन्नप्रवास यात्रा और कार सेवा, साहित्य, कार्यसमिति बैठक, आम सभा, अधिवेशन, पदाधिकरी प्रशिक्षण कार्यशाला, पदाधिकारी सम्पर्क, प्रवास, सम्मेलन, । सम्पर्क सूत्र - 7231855008
2. दिलीप जी राजपुरोहित - साधुमार्गी संचार तंत्र, नानेशवाणी, ओपन बुक, नानेशवाणी क्रिज, 50 थोकड़े, आगम भक्ति, जैन संस्कार पाठ्यक्रम, धार्मिक परीक्षा, जैन ओलम्पियार्ड, सामायिक प्रतिक्रमण परीक्षा । सम्पर्क सूत्र - 7231933008
3. नीतिन जी जैन - वीर सेवा समिति, संघ एफिलेशन, समीक्षण ध्यान वर्कशॉप फॉर टीचर्स, कसाईयों के धंधे से मुक्त करना, मेडिकल कैम्पस, साधुमार्गी एप, ग्लोबल कार्ड, SATF, SPG, SBG, IT/ Website, समता जन कल्याण उपन्यास इत्यादि । सम्पर्क सूत्र - 9414392035

भूल सूधार

25-26 नवम्बर, 2019 अंक में बिदा करके आपको कविता श्रीमान् राजेन्द्र जी जैन 'अयोग्य' द्वारा लिखी गई है!

-सम्पादक

श्रुत आराधक भाग-5 नमूना प्रश्नोत्तर (6)

(आगम [(60) दंसण-संपन्नयाए से (74) एस खलु सम्मत तक]

I. रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए।

1. अहाउयं पालइता अंतो सुहुमकिरियं।
2. मायाविजयं भंते ? जीवे किं जणयइ ? कम्मं न बंधइ।
3. चरित्त-संपन्नयाए ण चत्तारि केवलि।
4. जहा सुई ससुता न विणस्सइ।

बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा (शुरूआत से लेकर 'गुणस्थानों में बंध प्ररूपणा' तक)

II. मुख्य आधार का चयन किजिए।

5. इस थोकड़े का मुख्य आधार ग्रंथ

A) श्रीमद् जिनेन्द्रसूरि विरचित कर्मस्तव	B) श्रीमद् जिनेन्द्रसूरि विरचित कर्मविपाक
C) श्रीमद् देवेन्द्रसूरि विरचित कर्मस्तव	D) श्रीमद् देवेन्द्रसूरि विरचित कर्मविपाक
6. दर्शनावरणीय कर्म के 9 भेद

A) श्रीमद् समवायांग सूत्र	B) श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र
C) A&B दोनों	D) इनमें से कोई नहीं
7. नोकषाय मोहनीय कर्म के 9 भेद

A) श्रीमत् स्थानांग सूत्र व श्रीमत् समवायांग सूत्र
B) श्रीमत् स्थानांग सूत्र व श्रीमत् प्रज्ञापना सूत्र
C) श्रीमत् समवायांग सूत्र व श्रीमत् प्रज्ञापना सूत्र
D) इनमें से कोई नहीं
- III. असंगत हटाइए (सांकेतिक संज्ञाए)
 8. दुर्भग त्रिक (बंध प्रकरण में)

A) दुर्भग	B) दुःस्वर	C) अनादेय	D) अयशःकीर्ति
-----------	------------	-----------	---------------
 9. स्थावर चतुष्क

A) स्थावर	B) अस्थिर	C) साधारण	D) अपर्याप्ति
-----------	-----------	-----------	---------------
 10. अगुरुलघु चतुष्क

A) अगुरुलघु	B) पराघात	C) निर्माण	D) उच्छ्वास
-------------	-----------	------------	-------------
 11. वैक्रिय अष्टक

A) समचतुरस्त्र संस्थान	B) नरक गति	C) वैक्रिय शरीर	D) देवानुपूर्वी
------------------------	------------	-----------------	-----------------
 12. हास्य षट्क

A) जुगुप्सा	B) अरति	C) अशुभ	D) शोक
-------------	---------	---------	--------

IV सही या गलत।

13. अनुदयमान प्रकृतियों की उदीरणा नहीं होती हैं ?
14. अनतानुवर्धी कषाय के बंध में 2 निमित्त हैं- 1. मिथ्यात्व का उदय 2. सम्यग्‌मिथ्यात्व का उदय
15. जिस समय जिस कषाय का बंध विच्छेद होता हैं उसी समय उस कषाय का उदय विच्छेद होता हैं ?

V प्रकृतियों की संख्या ।

गुणस्थान

बंध योग्य प्रकृतियाँ

बंध विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ

- | | |
|-----|---------|
| 16. | पहला |
| 17. | तीसरा |
| 18. | चूथा |
| 19. | दसवां |
| 20 | तेरहवां |

VI सही विकल्प चुनिए।

22. C 23. B 24. B
20. (1,1) 21. A 13. **E**
19. (17,16) 18. (63,6/7) 17. (74,0)
16. (117,16) 15. **E** 14. **E**

1. ମୁଖ୍ୟତଃକାରୀଙ୍କୁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ
2. ମୁଖ୍ୟତଃକାରୀଙ୍କୁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ
3. ମୁଖ୍ୟତଃକାରୀଙ୍କୁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ
4. ମୁଖ୍ୟତଃକାରୀଙ୍କୁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ

श्रुत आराधक भाग-5 नमूना प्रश्नोत्तर (7)

विषय:- गमक (लब्धि के 20 द्वार-प्रथम उद्देश्क से ग्यारहवें उद्देश्क तक)

I. सही या गलत

- वेद, संज्ञा व पर्याप्ति यें तीनों लब्धि के द्वार हैं।
- परिमाण द्वार जीव जहाँ उत्पन्न होता हैं, उस भव संबंधी हैं।
- दूसरी पृथ्वी के नैरायिक में तीनों दृष्टि वाले संज्ञी तिर्यङ्ग उत्पन्न हो सकते हैं।
- नव निकाय देव में यदि दो प्रकार के युगलिक तीसरे गमक से उत्पन्न होते हैं तो युगलिक की स्थिति जघन्य 2 पल्योपम, उत्कृष्ट 3 पल्योपम कहना।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए।

चौथी पृथ्वी के नैरायिक में संज्ञी तिर्यङ्ग उत्पन्न हो तो

लब्धि

- | | | |
|-----------------|-------------|----------------|
| 5. अवगाहना | जघन्य | उत्कृष्ट |
| 6. संस्थान | | |
| 7. अध्यवसाय | | |
| 8. ज्ञान-अज्ञान | | |
| 9. लेश्या | | |
| 10. समुद्रधात | | |

विषय:- बंध उदय उदीरणा सत्ता का थोकड़ा (उदय प्ररूपणा)

III. असंगत हटाईए।

11. (पहले गुणस्थान में अनुदयवती प्रकृतियाँ संबंधित)
- A) सम्यक्त्व मोहनीय B) जिननाम C) मिथ्यात्व मोहनीय D) सम्यक्त्व मोहनीय
12. (पाँचवें गुणस्थान में उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)
- A) अनादेय B) नीच गोत्र C) तिर्यङ्गायु D) उद्योत नामकर्म
13. (आठवें गुणस्थान में उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)
- A) हास्य B) नपुंसकवेद C) जुगुप्सा D) अरति
14. (चौदहवें गुणस्थान में उदय योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)
- A) असातावेदनीय B) सातावेदनीय C) सुस्वर D) जिननाम
15. (पुनः उदय योग्य प्रकृतियाँ संबंधित)
- A) तीसरा गुणस्थान B) चौथा गुणस्थान C) छठा गुणस्थान D) आठवाँ गुणस्थान

IV सही जोड़ी मिलाइए।

गुणस्थान

- 16. तीसरा
- 17. पाँचवाँ
- 18. चौथा
- 19. तेरहवां
- 20. चौदहवां

उदय/उदय विच्छेद योग्य प्रकृतियाँ

- A) 30
- B) 111
- C) 72
- D) 12
- E) 66
- F) 17

16.) B 17.) G 18.) F 19.) A 20.) D
8.) 3 फ्लैट, 3 अपार्टमेंट 9.) 6 10.) 5 11.) C 12.) A 13.) B 14.) C 15.) D
1.) ट्रॉली 2.) एफ्टर 3.) एफ्टर 4.) ट्रॉली 5.) अंजड़ी की अंजड़ी आदि शब्द, 1000 अंजड़ी 6.) 6 7.) 2
एफ्टर अंजड़ी:

श्रृंग आराद्यक मास 5 - नवमा प्रखण्डीना (8)

(विषय:- ग्रामक (लक्ष्मिय के 20 द्वार - वार्षिके उद्देशक से चौबीसवां उद्देशक तक)

I इन उच्चाल की पूर्ति कितनी

प्राप्ति	दर	लक्ष्मिय कितनी (202021)
1. वारस्यतिकाम	पूर्णकाम	लैखा —
2. लैखिकाम	त्रिकाम	संभुवात —
3. असरनी तिर्यग्य पंचलिङ्ग	अष्टकाम	उच्छृङ्खल शब्दादेश —
4. आठवें फैलोंक	तिर्यग्य पंचलिङ्ग	रुद्र —
5. असरनी मनुष्य	मनुष्य	अष्टभवसाम (तीक्ष्ण ग्रामक से) —

II सही लिखाय किनी

6. असरनी तिर्यग्य यदि उत्तोतिथी के द्वार में चौथी ग्रामक से उच्चाल हो तो उच्चालम कितना होगा?

- A) 316 लैखिक 1/8 पल्लोपम
B) 316 लैखिक 1/4 पल्लोपम
C) 316 लैखिक 1/4 पल्लोपम
D) इनमें से कोई नहीं

7. मनुष्य लैखिक यदि उच्चालम में तीसरे ग्रामक से उच्चाल हो तो उच्चालम कितना होगा?

- A) 4 पल्लोपम
B) 6 पल्लोपम
C) 6 पल्लोपम शास्त्री
D) 4 पल्लोपम शास्त्री

8. 2001 की जांच में नियंत्रण पर्सनल के बड़े से लोगों द्वारा दी गई अपेक्षा का नाम क्या है?

- A) कर्डिपूर्व अधिक 6 पलोपम B) 4 अन्तर्मुद्देश अधिक 4 कर्डिपूर्व
C) कर्डिपूर्व अधिक 3 पलोपम D) 4 कर्डिपूर्व अधिक 4 अन्तर्मुद्देश

(विषय:- क्वाय उपय 3412011 सना को छोड़कर (3412011 व सना 3412)

9) सातवें व तीसरवें गुणात्मक में कितनी-कितनी प्रकृतियों की उकिया होती है?

- A) 76, 42 B) 73, 42 C) 73, 39 D) 76, 39

10) त्रिभुजों में तीसरी नामकरी की सना नहीं होती है?

- A) 2, 3, B) 1, 2 C) 1, 3 D) इनमें से कोई नहीं

11) सातवें गुणात्मक में दोनों शारीरिक शास्त्रीय 2421+01 की जीव की अपेक्षा कितनी प्रकृतियों की सना होती है?

- A) 145 B) 141 C) 140 D) 138

12) दसवें गुणात्मक में क्षापक शारीरिक जीव की अपेक्षा कितनी प्रकृतियों की सना होती है?

- A) 102 B) 101 C) 99 D) 85

III सही जिक्रम पुनिर्दृष्टि

IV

क्षमी लौटी जिलाई

संतो विद्युत क्रूरियाँ

- (3) अप्रत्याक्षराव राजके द्वा
प्रत्याक्षरावानाक्षरा राजके
- (4) हृष्म वट्ट
- (5) नीच गोगा
- (6) कृष्णनाक्षरा 4
- (7) सोनलाल कोल्ड

गुप्ताधान

- A) नारे गुप्ताधान भाग 2 में
B) नारे गुप्ताधान भाग 1 में
C) नारे गुप्ताधान भाग 7 में
D) राजेश गुप्ताधान के अंतिम सभ्य तक
E) राजेश गुप्ताधान के शुभराम सभ्य तक
F) वरदेव गुप्ताधान के अंतिम सभ्य तक
G) नवमे गुप्ताधान के भाग 5 में

II अद्वितीय

पूर्ण

(विषय:- जैन सिद्धांत संपूर्ण की कुछ व्याख्याएँ)

- 18) गणानां गटावीर के बारेमें पाख्य, रातुमारीक इस्की पर्व तिथियों में 2
प्रतिक्रिया करने का भी उपाय होता है ?
- A) श्री ज्ञानाधिकारोंग द्वारा B) श्री अवलोकन द्वारा C) दोनों A & B
D) अपापि में कही जी उपलेख प्राप्त नहीं होता है

- 19) अपापि में दोनों दोनों का शास्त्र है, तथा उनके लिए कौन है ?

- A) श्रोतक B) साधु C) दोनों A & B D) इनमें से कोई नहीं
(जैसे श्रुत न उन्हें पुरानी उर्जों वाली पर दृष्टिपात्र तरने पर संघर
ही नहीं है तो उनका दृष्टिपात्र आया है ?)
- A) श्री वशीर्वला/विना द्वारा B) श्री अवलोकन द्वारा
C) श्री लक्ष्मण द्वारा D) दोनों से कोई नहीं

21)

आवश्यक वृहद् वृति के लिए अवधिता की दीर्घा में शापड़ के सामग्रिक
प्रयोग की विधि में कितनी बार "कटेति छाते" करने का निर्देश है?

- A) 1 बार B) 2 बार C) तीन बार D) निर्देश प्राप्त नहीं

VI

सही चा गति

22) 2112 के शीतले रेख माल-मूल में जी सरगुच्छेम मनुष्य की उत्पत्ति संकेत है?

23) सरगुच्छेम मनुष्य की विवाहिता कार्यक्रम धर्मजीवों से होती है?

24) सरगुच्छेम मनुष्य की विवाहिता संबंधित प्राप्तियों का कोई विवाह नहीं है?

X

X

X

सही उत्तर :- 1) 2) 3) 4) 5) 6) A 7) B

8) C 9) C 10) A 11) D 12) A 13) A

14) A 15) E 16) F 17) C 18) D 19) B

20) C 21) A 22) सही 23) गलत 24) सही

प्रातः ३॥२८(क) आगा ६ - अस्तु भवतोर्गुणः ७)

विषय :- वेद उद्गम उद्गीताम् वसा का चौकड़ा।

प्रथी या प्रलत विलास।

- १) कार्मिकान्तियों एवं शिष्टांत की विशेष मात्राओंनाते उपशमान्त्रोपी के वर्णन में क्या?
- २) शिष्टांत अवृत्ति १८ के ज्ञात में जीव अविकृष्ट द्वे अविकृष्ट १ वा १२ ही उपशमान्त्रोपी अवृत्ति कर सकता है?
- ३) कार्मिकान्तियों के अवृत्ति नामान्तर या तिर्थियाम् की दरता वाला जीव शोपी अवृत्ति कर सकता है?
- ४) आपूर्वी की गुणांशी रक्षणा नहीं हो सकती है?
- ५) अवृत्त्युप्रकृतियों का अर्थ है कि अवृत्त्युप्रकृतियाँ के आधी इन प्रकृतियों का वृत्त्य नहीं होता है?

सही जीड़ी विलास।

कर्मप्रकृति

- ६) द्वितीयुप्रकृति कर्षण का उद्गम
- ७) ग्रय वा उद्गम
- ८) तीजम् शारीर का उद्गम वह नहीं होता है
- ९) सौभाग्य शोषण का उद्गम
- १०) नृत्यगति का उद्गम

गुणांशान

- A) आठवें गुणांशान तक
- B) पहले गुणांशान तक
- C) दोचौथे गुणांशान तक
- D) सातवें गुणांशान में
- E) चौथवें गुणांशान में
- F) नौवें गुणांशान तक
- G) द्वासठे गुणांशान तक

July 12 (342) ~~July 12~~

- A) 21841 B) 229102 C) 3142161 D) 211411201

A) अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठन, 32वीं, 34वीं - वृ प्रदीप द्वारा 30वां जूलाय 1996 को

- 1926-1927
C) 1927

(Chs - 25) JOURNAL OF THE STATE OF NEW YORK

- A) 3, 11, 14 B) 2, 11, 13 C) 3, 11, 14 D) 3, 12, 13

ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਾਲਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਖੇ ਪੁਸ਼ਟ ਅਤੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਮਹਿਸੂਸ ਹੋਵੇ।

- After this stage, the project will be submitted to the relevant government department for review and approval.

3 1213 320 notes 140 6/31544 1249 140 10112 11815

- Wolff - Schmid (B) 16(9) (4)

४८७ वे अन्त में देव विष्णु को अपनी अवतार का नाम दिया।

Scanner

- | | |
|-----|---------------------------------------------------------|
| | 16) A) फैला B) विसर्जन C) अविचार D) विवरण |
| 17) | A) विशेष B) विविध C) विविध D) विविध |
| 18) | A) अविविध B) विविध C) विविध D) विविध |
| 19) | A) विविध B) विविध C) विविध D) विविध |
| 20) | A) विविध B) विविध C) विविध D) विविध |
| | C) विविध D) विविध |
| | विभाग:- विविध विविध |
| | प्रश्न:- संख्या का अपना अपना |
| 21) | [44, 12, 25, 10, 34, 26, 40, 39, 15, 51] का अपना अपना |
| 22) | प्रथम अंक का अपना अपना |
| 23) | 213 (26321) का अंक का अपना अपना |
| 24) | प्रथम अंक का अपना अंक का अपना |
| 25) | प्रथम अंक का अपना अंक का अपना |

सो दोनों को अप्रतिक्रिया

1500 in each - mth

After the open eye had closed.

22) 213 (21642) do 2nd 1st 3rd 2nd?

2A) प्रेत्युपरिवार का अर्थ क्या है ?

25) अंग वर्षा ३१२१८० श्रीमद्भागवत पुस्तक

VI

21) नीरि (निर्माण)

ले-वा-रिक

आ भूते कर्ता

26) लिंग-पूर्व(352) तो दे ही देवि लिंग-

(लिंग जी) लाला १

27) लिंग-पूर्व तो दे ही देवि लिंग-

(लिंग जी २) लाला १

28) लिंग-पूर्व तो दे ही देवि लिंग-

(लिंग जी २) लाला १

29) लिंग-पूर्व तो दे ही देवि लिंग-

(लिंग जी २) लाला १

30) लिंग-पूर्व तो दे ही देवि लिंग-

(लिंग जी २) लाला १

पांचवीं बुल्ली के बाबत निर्दिष्ट गोदृगे ते लेवर जिन्हे इनका लिए।
जहाँ नापाता तबी प्रता चढ़ि, X, लिए।

कैफल नाम

इनका लिए

- | | | |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------|--|
| 31) | आवाजावन | |
| 32) | राज | |
| 33) | आठवें | |
| 34) | वाली | |
| 35) | आवाजावन | |
| 36) | कुसरे फैलाक ते लियन युग्मित-उपर्युक्त दोनों तो लाखे दिव हुए अविद्यारात्रिए। | |
| 37) | आवाजावन | |
| 38) | विना (वाली से उपर्युक्त हाला होगा?) | |
| 39) | विना (वाली से उपर्युक्त हाला होगा?) | |
| 40) | विना (वाली से उपर्युक्त हाला होगा?) | |
| 41) | शिवाया (कुसरे फैलाक ते लियन युग्मित-उपर्युक्त दोनों तो लाखे दिव हुए अविद्यारात्रिए।) | |
| 42) | शिवाया (लियन युग्मित-उपर्युक्त दोनों तो लाखे दिव हुए अविद्यारात्रिए।) | |
| 43) | शिवाया (लियन युग्मित-उपर्युक्त दोनों तो लाखे दिव हुए अविद्यारात्रिए।) | |

सही उत्तर:-

- 1) सही 2) गलत 3) गलत 4) सही 5) गलत 6) G 7) A 8) E 9) F
10) C 11) B 12) C 13) D 14) A 15) D 16) DCBA 17) BALD
18) BDCA 19) CADB 20) BDAC 21) 3A 22) इनमें से कोई नहीं 23) 12 24) 26
25) 10 26) 2 ग्राव 27) जटिल 2 ग्राव, 3 ग्राव 8 ग्राव 28) जटिल 3 ग्राव, 3 ग्राव 7 ग्राव
29) जटिल 2 ग्राव, 3 ग्राव 3 अंगुल का 30) जटिल 2 ग्राव, 3 ग्राव 2 अंगुल का
• जटिल ग्रामक [31-जटिल 3 अंगुल का 3 अंगुल का आग, 3 ग्राव पृथक्का घनुष, 32-2 अंगुल,
33 - अंतर्गुही, 34 - X, 35 - अशुद्ध]
• 3 ग्राव ग्रामक [31 - X, 32 - X, 33 - कोई पूर्ण, 34 - X, 35 - X]
36) सफ़ाइ, मिथ्याहृति, 31) शुद्ध, अशुद्ध 38) जटिल पृथक्का घनुष, 3 ग्राव 6 ग्राव
39) जटिल 1 पल्पोपम शाकीय, 3 ग्राव 3 पल्पोपम 40) जटिल 1 पल्पोपम शाकीय, 3 ग्राव 3 पल्पोपम
41) जटिल कालोट्टा \rightarrow 1 पल्पोपम शाकीय + 1 पल्पोपम शाकीय, 3 ग्राव कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 1 पल्पोपम शाकीय
42) जटिल कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 3 पल्पोपम, 3 ग्राव कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 3 पल्पोपम
43) पांचवा ग्रामक नहीं बनता
44) जटिल कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 1 पल्पोपम शाकीय, 3 ग्राव कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 1 पल्पोपम शाकीय
45) जटिल कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 3 पल्पोपम, 3 ग्राव कालोट्टा \rightarrow 3 पल्पोपम + 3 पल्पोपम

गुरु बायोटेक मंडा 5 - नमूना प्रश्नोत्तर (16)

विषय:- ग्रामक का घोकड़ा

सही जोड़ी (सिलाई)

I

माव

- 1) अवधि 2 माव, उच्चार 4 माव
- 2) अवधि 3 माव, उच्चार 5 माव
- 3) अवधि 3 माव, उच्चार 7 माव
- 4) अवधि 2 माव, उच्चार 8 माव

वार - फीव

- A) 4 अनुत्तर लिमान दोषों के 1 वर में सान्ती मनुष्य 3 ग्रामक से जाता है।
- B) तिर्यक पंचांग के 1 वर में सातवीं पृथ्वी के नैदूपिक 3 ग्रामक से जाता है।
- C) तिर्यक पंचांग के 1 वर में सातवीं पृथ्वी के नैदूपिक 1 ग्रामक से जाता है।
- D) 5 श्यातरों के 5 दोषों में सान्ती तिर्यक पंचांग 5 ग्रामक से जाता है।
- E) दैक्षिण के 5 दोषों में (वरे दैक्षिणोंक से निपोनी तक) संस्ती मनुष्य 9 ग्रामक से जाता है।
- F) दैक्षिण के 5 दोषों में (वरे दैक्षिणोंक से निपोनी तक) संस्ती मनुष्य 6 ग्रामक से जाता है।
- G) 5 श्यातरों के 5 दोषों में सान्ती तिर्यक पंचांग 9 ग्रामक से जाता है।
- H) 4 अनुत्तर लिमान दोषों के 1 वर में सान्ती मनुष्य 9 ग्रामक से जाता है।

<u>II</u>	<p>कितने लोंगों का नापाला पड़ता है?</p> <p>5) वैक्सिप के 14 लंगों में मनुष्य पुराणी (जलदाय गामक) से जाते हैं _____</p> <p>6) वायुकार्य के द्वारा में पृथिवीकार्य के लिए (उच्चार गामक) हो जाते हैं _____</p> <p>7) आवाय के द्वारा में वायुकार्य के लिए (जलदाय गामक) से जाते हैं _____</p> <p>8) विद्युपत्रिकार्य के द्वारा में सर्वो लिख्य (जलदाय गामक) से जाते हैं _____</p> <p>9) तेजाकार्य के द्वारा में सर्वो लम्ब्य (उच्चार गामक) से जाते हैं _____</p>
<u>III</u>	<p>सही (विकल्प चुनिए)</p> <p>10) संकी मनुष्य वायुकार्य के द्वारा में उच्चार होते हैं तो इसका क्या कहा जाए?</p> <p>A) नवायन अंगुल के असंख्यातरे झाँग, उच्चार 500 लंगुष्ठ</p> <p>B) नवायन अंगुल के असंख्यातरे झाँग, उच्चार पृष्ठवर्षे अंगुल</p>

- c) जबत्तम अंगुल के असंभवाते आप, ३८५२ अंगुल के असंभवाते आप
- d) इनमें से कोई नहीं
- ii) चैरिट्रिय के घर में वायरास का पीड़ित उपचर होता है तो संक्रिया लाभिक क्या होगी?
- प्रथम ३ समुद्रवाह
 - प्रथम ४ समुद्रवाह
 - प्रथम ५ समुद्रवाह
 - इनमें से कोई नहीं
- iii) तिर्यक पंचेट्रिय के घर में जी देव उपचर होता है तो उपचार लाभिक क्या होगी?
- जबत्तम अन्तर्गुही, ३८५२ फैशन करोड़ पूर्व
 - जबत्तम पृथक्कर माल, ३८५२ करोड़ पूर्व
 - जबत्तम अन्तर्गुही, ३८५२ करोड़ पूर्व
 - जबत्तम पृथक्कर माल, ३८५२ फैशन करोड़ पूर्व
- iv) मनोद्य के घर में पांचवीं पृष्ठवीं के नैरिक उपचर होती संस्थान लाभिक क्या होगी?
- कृष्ण संस्थान, ३८२ वैक्रिय हुपडक संस्थान
 - हुपडक संस्थान, ३८२ वैक्रिय कृष्ण संस्थान
 - हुपडक संस्थान आर वैक्रिय हुपडक संस्थान
 - इनमें से कोई नहीं
- v) कालांक बराक्का |
- vi) सातवीं पृष्ठवीं के नैरिक तिर्यक पंचेट्रिय के घर में उपचर होता है
- पहले गमन से जबत्तम कालांक
 - तीसरे गमन से ३८५२ कालांक
 - पांचवें गमन से ३८५२ कालांक
 - आठवें गमन से जबत्तम कालांक
 - नौवें गमन से ३८५२ कालांक

10)

विषय:- बंध 345 : 34/2011 का व्यौकड़ा

प्रश्न संख्या 2/2011

19) 20 बंध प्रौद्योगिकीय में दो कौटनीय व तैयारी कर्म की कितनी-कितनी प्रकृतियाँ हैं?

- (A) (28, 4) (B) (26, 4) (C) (28, 2) (D) (26, 2)

20) पाँचवे गुणात्मक व चारवें गुणात्मक में कितने प्रकृतियों का बंध विकल्प हो जाता है?

- A) (10, 4) B) (6, 4) C) (4, 10) D) (4, 6)

21) आठवें गुणात्मक के पहले जाग व सातवें जाग में कितने प्रकृतियों का बंध विकल्प हो जाता है?

- 1) (2, 4) B) (4, 2) C) (2, 6) D) (6, 2)

22) नींवे गुणात्मक के पहले व तीसरे जाग में बंध योग्य प्रकृतियाँ कितनी हैं?

- A) (24, 20) B) (21, 20) C) (22, 20) D) इनमें से कोई नहीं

VI सही या गलत

23) काधापो की उत्तीर्ण करने वाली प्रकृतियों का उपर विकल्प होने के परामर्श:

काधापो का यही उपर विकल्प हो जाता है?

24) आवास का एक उपयोग संस्कृत वाला जीव का किंतु एकेही न लिखेगा

जीवों में इन्हें ही रहता है?

25) अवधि के दौरान का उपयोग या अवधि के दौरान पर ही जीव उपयोग की

आवास का अवधि है?

26) अवधि के दौरान के उपयोग का अवधि जीव का जीव की जीव का

अवधि का अवधि है?

27) अवधि की जीव की जीव (जीव और जीव की अपेक्षा) किस गुणस्थान के होते हैं?

28) अवधि —

29) अवधि जीव —

30) अवधि जीव —

31) अवधि जीव —

32) अवधि जीव —

33) अवधि —

34) अवधि जीव —

35) अवधि जीव —

36) अवधि जीव —

37) अवधि जीव —

38) अवधि जीव —

39) अवधि जीव —

40) अवधि जीव —

41) अवधि जीव —

42) अवधि —

43) अवधि —

44) अवधि —

45) अवधि —

46) अवधि —

47) अवधि —

48) अवधि —

49) अवधि —

50) अवधि —

51) अवधि —

52) अवधि —

53) अवधि —

54) अवधि —

55) अवधि —

56) अवधि —

57) अवधि —

58) अवधि —

59) अवधि —

60) अवधि —

61) अवधि —

62) अवधि —

63) अवधि —

64) अवधि —

65) अवधि —

66) अवधि —

67) अवधि —

68) अवधि —

69) अवधि —

70) अवधि —

71) अवधि —

72) अवधि —

73) अवधि —

